पंजाब, गुजरात, हरियाणा में H1N1 से हुई सर्वाधिक मृत्यु

चर्चा में क्यों?

हाल ही में H1N1 के कारण पंजाब, गुजरात और हरियाणा में क्रमशः **41, 27 तथा 26** लोगों की मृत्यु हुई जो भारत में H1N1 के कारण होने वाली मृत्यु में सबसे अधिक है।

मुख्य बिंदु

- **कुल मामले:** भारत में H1N1 के अभी तक 7,000 से अधिक मामले दर्ज किये गए हैं।
- **मामलों के संदर्भ में शीर्ष राज्य:** दिल्ली (1,563), गुजरात (1,049) और राजस्थान (1,008) में सबसे अधिक मामले दर्ज किये गए।
- **स्वास्थ्य मंत्रालय के दिशा-निर्देश:** स्वास्थ्य मंत्रालय ने **स्क्रीनिंग, संवर्गीकरण, प्रयोगशाला निदान, संक्रमण नियंत्रण, घरेलू देखभाल और नैदानिक प्रबंधन** पर दिशा-निर्देश जारी किये।
- **रोकथाम के उपाय:** इससे संबंधित जन जागरूकता अभियानों में हाथ धोने, खाँसते या छींकते समय मुँह को ढकने और भीड़-भाड़ वाले स्थानों से बचने पर ज़ोर दिया जाता है।
- **टीकाकरण:** टीकाकरण को इन्फ्लूएंज़ा की रोकथाम हेतु सबसे अच्छे निवारक उपाय के रूप में देखा जाता है।

H1N1

- **H1N1 इन्फ्लूएंज़ा** श्वसन संबंधी बीमारी का कारण बनता है जो **सूअर के श्वसन पथ को प्रभावित कर सकता है।**
- इन संक्रमित सूअर के निकट संपर्क में आने से मनुष्यों को **स्वाइन फ्लू** का खतरा होता है जो कि एक **ज़ूनोटिक रोग** है।
- **स्वाइन इन्फ्लूएंज़ा विषाणु** मनुष्यों को संक्रमित कर सकते हैं यदि उनके एंटीजेनिक गुण अन्य इन्फ्लूएंज़ा स्ट्रेन के साथ पुनर्संयोजन के कारण बदल जाते हैं।
- यह आनुवंशिक परिवर्तन विषाणु की प्रतिकृति करने और संचरण की क्षमता में वृद्धि कर सकता है, जिससे मनुष्यों में इसका संचरण सरल हो जाता है।
- ऐसे परिवर्तनों से महामारी की उत्पत्ति हुई, जैसा कि **1918** और **2009** में देखा गया था, जब विषाणु द्वारा मनुष्यों में इसका संचरण चरम अवस्था पर था।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/punjab-gujarat-haryana-lead-in-h-1-n-1-deaths